नईदुनिया

विश्व पर्यावरण दिवस आज

वर्ष- 80
(भोपाल : वर्ष 41 अंक 186, पृष्ठ 12)
ज्येष्ठ (अधिक), कृष्ण पंचमी संवत् 2083
शुक्रवार, 5 जून 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com

भोपाल संस्करण

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... पद्मश्री से सम्मानित हस्तियों की मुख्यमंत्री से भेंट

खेल... सैफ महिला चैम्पियनशिपः भारत ने भूटान को हराकर ...

व्यापार... सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च हुआ वाह ....

देश-विदेश... फाइनल सी-ट्रायल पर निकला रूस का...

भाजपा ने जारी की उम्मीदवारों की सूची, 18 जून को वोटिंग, उसी दिन परिणाम

मप्र से चुग-अग्रवाल जाएँगे राज्यसभा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। मध्य प्रदेश की 2 सीटों पर तरुण चुग और रजनीश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है। जारी सूची के अनुसार मध्य प्रदेश की राज्यसभा सीटों के लिए पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर के नेता तरुण चुग और संगठन से जुड़े वरिष्ठ नेता रजनीश अग्रवाल पर भरोसा जताया है। दोनों उम्मीदवार अब राज्यसभा चुनाव में भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी होंगे। 12 राज्यों की 26 राज्यसभा सीटों पर 18 जून को मतदान होगा। उसी दिन रिजल्ट आएगा।

तरुण चुग

रजनीश अग्रवाल

तरुण चुग मूल रूप से पंजाब के अमृतसर से आते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव हैं और पार्टी के शीर्ष संगठनात्मक नेताओं में गिने जाते हैं। वे जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, तेलंगाना समेत कई राज्यों के प्रभारी रह चुके हैं और चुनावी प्रबंधन में पार्टी की केंद्रीय टीम का अहम हिस्सा रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा संगठन में लंबे समय से सक्रिय हैं। 2023 में भाजपा ने उन्हें लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय महासचिव बनाए रखा था, जिसे पार्टी में उनकी मजबूत पकड़ का संकेत माना गया था। हाल ही में मणिपुर में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए भाजपा ने उन्हें केंद्रीय पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया था। रजनीश अग्रवाल मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश सचिव हैं। संगठन में बूथ प्रबंधन और चुनावी रणनीति के विशेषज्ञ माने जाते हैं। उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल में भी बूथ प्रबंधन प्रभारी की भूमिका का उल्लेख है। लंबे समय से भाजपा संगठन में सक्रिय हैं और प्रदेश स्तर पर कई जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। वे पर्दे के पीछे काम करने वाले संगठनात्मक नेताओं में गिने जाते हैं, जिनकी पहचान चुनावी नेटवर्क और कार्यकर्ता तंत्र को मजबूत करने के लिए है।

गुजरात : 4 उम्मीदवार घोषित

गुजरात से भाजपा ने 4 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। इनमें राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेंद्र मेघजीभाई कंजारिया शामिल हैं। राज्यसभा की चार सीटों के लिए इन नामों को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने मंजूरी दी है।

राजस्थान से दो प्रत्याशी

राजस्थान से भाजपा ने डॉ. अलका गुर्जर और डॉ. सतीश पूनिया को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। सतीश पूनिया का नाम घोषित होने के बाद राजस्थान की राजनीति में इसे महत्वपूर्ण फैसला माना जा रहा है।

अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर से भी उम्मीदवार तय

अरुणाचल प्रदेश से भाजपा ने ताई तागाक को उम्मीदवार घोषित किया है। वहीं मणिपुर से ए. शारदा देवी को राज्यसभा चुनाव के लिए टिकट दिया गया है।

ओडिशा उपचुनाव के लिए देवाशीष सामंतराय पर दांव

राज्यसभा उपचुनाव 2026 के लिए भाजपा ने ओडिशा से देवाशीष सामंतराय को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने उपचुनाव के लिए भी अपनी आधिकारिक स्वीकृति मिल गई है।

होर्मुज संकट के बीच भारत आईं वेनेजुएला की राष्ट्रपति

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब होर्मुज संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है और भारत वैकल्पिक स्रोतों की तलाश में सक्रिय है। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग और कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर महत्वपूर्ण समझौते की संभावना जताई जा रही है। इससे पहले रोड्रिगेज ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की। बैठक में भारत और वेनेजुएला के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी रहेगा और यह वार्ता भविष्य में साझेदारी को नई दिशा दे सकती है। जानकारी के अनुसार भारत वर्तमान में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चुनौतियों का सामना कर रहा है। होर्मुज क्षेत्र में तनाव के चलते आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है, जिसके कारण भारत विभिन्न देशों से कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाने पर विचार कर रहा है।

विश्वास की विरासत और भविष्य का संकल्प

*5 जून 1947 को बोया गया पत्रकारिता का एक बीज आज विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुका है। 79 वर्षों की अविराम यात्रा पूरी कर **नईदुनिया** 5 जून 2026 को अपने 80वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह अवसर केवल एक संस्थान की उपलब्धि का नहीं, बल्कि पत्रकारिता की उस परंपरा के सम्मान का है जिसने पीढ़ियों तक पाठकों का विश्वास अर्जित किया और समाज की धड़कनों को अभिव्यक्ति दी।*

*देश की स्वतंत्रता से ठीक पहले स्वाधीनता संग्राम की चेतना और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ **स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय श्री नरेंद्र तिवारी, बाबू लाभचंद छजलानी और श्री बसंतीलाल सेठिया** ने **नईदुनिया** की स्थापना की थी। इन दूरदर्शी संस्थापकों ने पत्रकारिता को केवल मिशन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का माध्यम माना। यही कारण है कि **नईदुनिया** की बुनियाद जनसरोकार, निष्पक्षता और लोकहित के मूल्यों पर रखी गई, जो आज भी इसकी पहचान बने हुए हैं।*

*स्वतंत्र भारत की यात्रा के साथ-साथ **नईदुनिया** ने भी अपना विस्तार किया और समय के हर महत्वपूर्ण पड़ाव का साक्षी बना। देश ने विभाजन का दर्द देखा, लोकतंत्र को परिपक्व होते देखा, आपातकाल का कठिन दौर देखा, आर्थिक उदारीकरण और डिजिटल क्रांति का साक्षी बना। इन सभी परिवर्तनों के बीच **नईदुनिया** ने अपने पाठकों को केवल समाचार ही नहीं, बल्कि घटनाओं को समझने की दृष्टि भी प्रदान की। यही कारण है कि हिंदी पत्रकारिता में **नईदुनिया** का नाम केवल एक समाचार पत्र के रूप में नहीं, बल्कि विश्वस के पर्याय के रूप में लिया जाता है।*

*__नईदुनिया__ को हिंदी पत्रकारिता का **'स्कूल ऑफ जर्नलिज्म'** भी कहा जाता है। दशकों तक यह केवल समाचारों का मंच नहीं अपितु प्रतिभाशाली पत्रकारों, संपादकों और चिंतकों की ऐसी पाठशाला बना, जहां से अनेक प्रख्यात पत्रकारों ने अपनी यात्रा प्रारंभ की। देश के कई प्रतिष्ठित संपादकों और पत्रकारों ने **नईदुनिया** में कार्य करते हुए पत्रकारिता के मूल्यों को सीखा और आगे चलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। समाचारों की विश्वसनीयता, भाषा की शालीनता, जनपक्षधर दृष्टिकोण और संपादकीय साहस ने **नईदुनिया** को हिंदी पत्रकारिता की एक विशिष्ट संस्था के रूप में स्थापित किया।*

*__नईदुनिया__ की पहचान केवल एक समाचार पत्र के रूप में नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक चेतना के विश्वसनीय दस्तावेज के रूप में स्थापित हुई है। प्रदेश के गांवों, कस्बों और शहरों की धड़कनों को समझते हुए इसने जनजीवन से जुड़े मुद्दों को हमेशा प्रमुखता दी। किसानों की चिंता हो, युवाओं की आकांक्षाएं हों, विकास की संभावनाएं हों या व्यवस्था की चुनौतियां, **नईदुनिया** ने हर दौर में समाज की आवाज को मुखरता से अभिव्यक्त किया। यही कारण है कि पीढ़ियां बदलीं, समय बदला और तकनीक बदली, लेकिन पाठकों का भरोसा **नईदुनिया** पर अडिग रहा।*

*इसी गौरवशाली परंपरा के विस्तार के रूप में लगभग 41 वर्ष पूर्व **नईदुनिया** के भोपाल संस्करण का प्रकाशन प्रारंभ हुआ और करीब 13 वर्ष पूर्व सागर संस्करण की शुरुआत हुई। यह विस्तार केवल नए संस्करणों का प्रकाशन नहीं था, बल्कि उन मूल संस्थापकीय आदर्शों को प्रदेश के और अधिक पाठकों तक पहुंचाने का प्रयास था, जिनके आधार पर 5 जून 1947 को **नईदुनिया** की नींव रखी गई थी।*

***स्वर्गीय श्री नरेंद्र तिवारी** की विरासत को आगे बढ़ाते हुए तिवारी परिवार आज भोपाल और सागर संस्करणों का सफलतापूर्वक सतत् संचालन कर रहा है। इन संस्करणों के माध्यम से **नईदुनिया** की वही मूल पत्रकारिता परंपरा, वही जनसरोकार और वही सामाजिक प्रतिबद्धता निरंतर प्रवाहित हो रही है, जिसने इस समाचार पत्र को लाखों पाठकों के विश्वास का आधार बनाया। आज आप जो **नईदुनिया** अपने हाथों में लिए हुए हैं, वह केवल एक संस्करण नहीं, बल्कि 5 जून 1947 को शुरू हुई उसी ऐतिहासिक यात्रा की सतत कड़ी है। संस्थापकों के सपनों, मूल्यों और पत्रकारिता धर्म को आगे बढ़ाने का यह दायित्व आज भी उतनी ही निष्ठा से निभाया जा रहा है, जितनी निष्ठा के साथ इसकी शुरुआत की गई थी।*

*आज पत्रकारिता अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। डिजिटल माध्यमों का विस्तार, सोशल मीडिया की तीव्रता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई तकनीकों ने सूचना जगत का स्वरूप बदल दिया है। खबरों की गति बढ़ी है, लेकिन विश्वसनीयता की चुनौती भी उतनी ही बड़ी है। ऐसे समय में **नईदुनिया** की 79 वर्षों की विरासत और अधिक प्रासंगिक हो जाती है। क्योंकि पाठक को केवल सूचना नहीं, बल्कि प्रामाणिक और संतुलित जानकारी भी चाहिए।*

*80वें वर्ष में प्रवेश करते हुए **नईदुनिया** के सामने अवसर भी हैं और चुनौतियां भी। बदलते समय के अनुरूप नवाचार आवश्यक है, लेकिन पत्रकारिता के बुनियादी मूल्य-सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और जनहित-ही उसकी सबसे बड़ी ताकत बने रहेंगे। यही मूल्य **नईदुनिया** की पहचान रहे हैं और भविष्य की दिशा भी तय करेंगे।*

*79 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा पर **नईदुनिया** परिवार, अपने वर्तमान और पूर्व कर्मियों तथा करोड़ों पाठकों को हार्दिक बधाई देता है। विश्वास, विचार और जनसरोकार की यह विरासत आने वाले वर्षों में और सशक्त हो, समाज और लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करती रहे, इसी कामना के साथ .....*

आपका
अपूर्व तिवारी
संपादक

खास-खबरें

होटल मालिक 4 दिन की रिमांड पर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल अग्निकांड में मालिक लवकेश बजाज को चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया। पुलिस ने उसे अदालत में पेश किया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि आग के दौरान वह कार से जलती इमारत के पास से गुजरा लेकिन भय के कारण मदद नहीं की और मौके से चला गया।

विप्रो पर धार्मिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप

नईदुनिया ब्यूरो, पुणे : पुणे की एक पूर्व महिला कर्मचारी ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि उस पर इस्लाम अपनाने और एक मुस्लिम सहकर्मी से संबंध बनाने का दबाव डाला गया। पीड़िता ने कहा कि दस माह तक मानसिक प्रताड़ना सहनी पड़ी और शिकायत करने पर भी कार्रवाई नहीं हुई। मामला हिंजवडी पुलिस थाने पहुंचा है। महिला के वकील ने कंपनी को कानूनी नोटिस भेजकर पचास लाख रुपये मुआवजे की मांग की है।

28 लोगों को बांग्लादेश सीमा की ओर भेजा

नईदुनिया ब्यूरो, कोलकाता : पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के पास सीमा सुरक्षा बल ने अट्ठाईस लोगों को बांग्लादेश सीमा की ओर भेजा है। ये सभी लोग वर्तमान में दोनों देशों के बीच स्थित नो मैन्स लैंड क्षेत्र में रुके हुए हैं। इससे पहले भी कुछ लोगों को सीमा पार कराने का प्रयास किया गया था, लेकिन बांग्लादेश सीमा रक्षक बल ने प्रवेश देने से इनकार कर दिया था।

मप्र से राज्यसभा के लिए कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश से राज्यसभा की एकमात्र कांग्रेस सीट के लिए पार्टी ने पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार घोषित किया है। लंबे विचार-विमर्श के बाद लिए गए इस फैसले को कांग्रेस नेतृत्व द्वारा महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने और संगठनात्मक अनुभव को प्राथमिकता देने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस ने कर्नाटक से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पवन खेड़ा और मंसूर अली खान को उम्मीदवार बनाया है। वहीं राजस्थान से नीरज दांगी, तमिलनाडु से प्रवीण चक्रवर्ती और झारखंड से प्रणव झा को टिकट दिया है।

केरलम में मानसून की दस्तक, देशभर में असर

मौसम विभाग ने कई राज्यों में भारी वर्षा और आंधी का अनुमान जताया

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः मानसून केरल पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार यह इस बार सामान्य से तीन दिन देरी से पहुंचा है। अगले दो से तीन दिनों में इसके गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु तक आगे बढ़ने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और पूर्वोत्तर राज्यों में भी इसका विस्तार होगा। विभाग ने अनुमान जताया है कि केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में अगले सात दिनों में कई स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित कई राज्यों में पूर्व मानसून गतिविधियों के कारण आंधी और बारिश देखने को मिलेगी। इस बीच दिल्ली एनसीआर में गुरुवार दोपहर बाद अचानक अंधेरा छा गया और तेज बारिश हुई। नोएडा स्थित फिल्म सिटी क्षेत्र में आंधी से कई पेड़ गाड़ियों पर गिर गए, जबकि सड़कों और कार्यालयों में पानी भर गया। जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने सतर्क रहने की सलाह दी। अभी स्थिति सामान्य है।

अस्पताल में भीषण आग, पांच मरीजों की मौत, कई झुलसे

नईदुनिया ब्यूरो, मुजफ्फरपुरः बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित एक निजी अस्पताल के आइसीयू में आग लगने से पांच मरीजों की मौत हो गई तथा बीस से अधिक लोग झुलस गए।

यह हादसा बुधवार देर रात लगभग तीन बजे शॉर्ट सर्किट से शुरू हुआ, जिसके बाद एसी फटने से आग तेजी से फैल गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक कई मरीज गंभीर रूप से झुलस चुके थे।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि अस्पताल का स्टाफ घटना के समय मौके से गायब हो गया और मरीजों को स्वयं परिजनों को बाहर निकालना पड़ा। दमकल कर्मियों ने खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर आइसीयू में फंसे मरीजों को बाहर निकाला, जहां ऑक्सीजन की कमी से स्थिति और बिगड़ गई। मृतकों की पहचान गीता देवी, चंचला वर्मा, उदय कुमार, शशांक कुमार और कृष्णानंदन सिंह के रूप में की गई है। घटना के बाद अस्पताल से कुछ मरीजों के गायब होने की सूचना पर परिजनों ने हंगामा किया, जबकि पुलिस ने कहा कि वे दूसरे अस्पताल में उपचाररत हैं। हादसे के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी मौके पर पहुंचे तथा स्थिति नियंत्रण में रखने के लिए कई थानों की पुलिस तैनात की गई।

मुख्यमंत्री ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की।

संविधान विशेषज्ञ डॉ. कश्यप का निधन

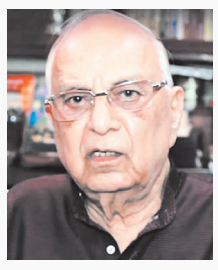

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः *पद्म भूषण से सम्मानित संविधान विशेषज्ञ डॉ. सुभाष सी. कश्यप का 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय तक भारतीय संसद से जुड़े रहे और लोकसभा के महासचिव के रूप में भी कार्य कर चुके थे। उन्होंने अपने जीवन में सौ से अधिक पुस्तकें लिखीं, जिनमें 'हमारी संसद' और 'हमारा संविधान' जैसी प्रसिद्ध कृतियां शामिल हैं। वर्ष 1953 से उन्होंने संसद सचिवालय में सेवा प्रारंभ की और लगभग सैंतीस वर्षों तक संसदीय कार्यों में योगदान दिया। वे स्वतंत्रता आंदोलन से भी जुड़े रहे और छात्र आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई।*

स्पेशल खबर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- वकीलों से टकराव नहीं चाहते, दिशा-निर्देश देने से किया इंकार ...

मुकदमों को समय सीमा में निपटाने वाली याचिका खारिज

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने समयबद्ध मामलों के निपटारे तथा अदालतों में स्थगन पर राष्ट्रीय स्तर पर दिशा-निर्देश तय करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। सुनवाई के दौरान पीठ ने यह भी कहा कि न्यायालय वकीलों के साथ किसी प्रकार का टकराव नहीं चाहता और वकीलों के प्रति उसका दृष्टिकोण सहयोगपूर्ण है। यह याचिका एक अधिवक्ता की ओर से दायर की गई थी, जो स्वयं न्यायालय में उपस्थित हुए। उन्होंने दलील दी कि अदालतों में बार-बार होने वाले स्थगनों पर नियंत्रण आवश्यक है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो और मामलों का निपटारा समय पर सुनिश्चित किया जा सके। याचिका में यह भी मांग की गई थी कि पूरे देश की सभी अदालतों के लिए एक समान राष्ट्रीय मामला प्रवाह प्रबंधन नीति बनाई जाए और उसे लागू किया जाए। इस प्रस्तावित नीति में विभिन्न चरणों की सुनवाई के लिए स्पष्ट समयसीमा तय करने, अनावश्यक स्थगनों को सीमित करने तथा उपयुक्त मामलों में लगातार और नियमित सुनवाई सुनिश्चित करने का प्रावधान शामिल करने की बात कही गई थी। इसके साथ ही लंबे समय से लंबित और पुराने मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने की व्यवस्था करने की भी अपील की गई थी, ताकि न्याय वितरण प्रणाली अधिक प्रभावी बन सके। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी मांगों पर किसी प्रकार के दिशा-निर्देश जारी करने से इनकार करते हुए याचिका को खारिज कर दिया। पीठ ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की व्यापक नीति निर्धारण न्यायालय के बजाय अन्य उपयुक्त मंचों का विषय हो सकता है। सुनवाई के दौरान पीठ की टिप्पणी से माहौल हल्का भी हुआ, जब न्यायाधीशों ने कहा कि उनका उद्देश्य वकीलों से किसी प्रकार का विरोध नहीं बल्कि आपसी सम्मान और सहयोग बनाए रखना है।

अधिक डिग्री छिपाकर नौकरी लेना गलतः सुप्रीम कोर्ट

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः *सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि कम शैक्षणिक योग्यता के लिए आरक्षित पदों पर उच्च शिक्षा छिपाकर नौकरी प्राप्त करना कानूनन गलत है और यह वास्तविक पात्र उम्मीदवारों के अधिकारों का हनन है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में नियुक्ति को वैध नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के वर्ष 2025 के एक आदेश को निरस्त कर दिया। इस आदेश में सिंडिकेट बैंक में अटेंडेंट पद पर नियुक्त एक व्यक्ति के पक्ष में निर्णय दिया गया था, जिसने अपनी स्नातक डिग्री छिपाकर नौकरी प्राप्त की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि कम शैक्षणिक योग्यता वाले पदों को विशेष रूप से ऐसे उम्मीदवारों के लिए सुरक्षित रखा जाता है, जिनकी शिक्षा निर्धारित सीमा के भीतर हो। यदि अधिक योग्य उम्मीदवार इस प्रकार की नौकरियां प्राप्त कर लेते हैं, तो यह अवसरों की समानता को प्रभावित करता है। केवल अधिक योग्यता होने के आधार पर किसी उम्मीदवार को कम योग्यता वाले पद पर स्वतः अधिकार नहीं मिल जाता।*

कांग्रेस विधायक की गाड़ी में लगी आग

नईदुनिया ब्यूरो, सिवनीः सिवनी जिले में नेशनल राजमार्ग चौतीस पर कांग्रेस विधायक योगेंद्र सिंह बाबा की स्कॉर्पियो गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गाय को बचाने के प्रयास में वाहन अनियंत्रित होकर एक स्कूल की बाउंड्री से टकरा गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। हादसा सुबह लगभग सात बजे बंजारी गांव के पास हुआ, जब वे जबलपुर से घूरवाड़ा गांव जा रहे थे।

ललित मोदी बोले- भागा नहीं, दुनिया घूम कर रहा हूं

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी ने कहा कि उन्हें भगोड़ा कहना मीडिया की धारणा है और उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं है। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए लगभग एक घंटे पैंतालीस मिनट के साक्षात्कार में कहा कि वे भाग नहीं रहे हैं बल्कि दुनिया भर में यात्रा कर रहे हैं।